ASTRO ARPITA NATH

कुंडली के सभी 12 भावों में बृहस्पति (गुरु)

Arpita Nath द्वारा · ज्योतिष आधार · 2026-09-15

वैदिक ज्योतिष (Jyotish) में, बृहस्पति (Guru / Brihaspati) परम नैसर्गिक शुभ ग्रह (Parama Shubha Graha) हैं। देवताओं के दिव्य गुरु के रूप में, बृहस्पति उच्च ज्ञान, आध्यात्मिकता, धर्म, धन, शिक्षा, संतान, नैतिकता और दैवीय कृपा (Bhagya) का प्रतिनिधित्व करते हैं।

आपकी जन्म कुंडली (Kundli) में बृहस्पति जहाँ भी बैठते हैं, वे संभावनाओं का विस्तार करते हैं, सकारात्मकता लाते हैं और जीवन की प्रतिकूलताओं के विरुद्ध एक ऊर्जावान सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करते हैं। इसके अलावा, बृहस्पति की विशेष दृष्टियाँ (5वीं, 7वीं और 9वीं Drishti) आपकी कुंडली के तीन अन्य भावों पर भी सुरक्षा और विकास का प्रभाव डालती हैं।

प्रथम भाव (लग्न / स्वयं)

• **मुख्य विषय:** स्वाभाविक विवेक, गरिमामयी उपस्थिति, ईश्वरीय सुरक्षा।
• **सकारात्मक प्रभाव:** बृहस्पति प्रथम भाव में दिशा बल (दिग्बल) प्राप्त करते हैं। यह प्रखर बुद्धि, उच्च नैतिक मानदंड, आशावादी स्वभाव और प्रतिष्ठित सामाजिक स्थिति प्रदान करते हैं। यह 5वें (संतान/बुद्धि), 7वें (विवाह) और 9वें (भाग्य) भावों पर सुरक्षात्मक दृष्टि डालते हैं, जिससे पूरी कुंडली पर एक सुरक्षा कवच बन जाता है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव**: शारीरिक वजन बढ़ने या लिवर संबंधी संवेदनशीलता की संभावना; बौद्धिक आत्मसंतुष्टि; सूक्ष्म रूप से स्वयं को सही मानने की प्रवृत्ति (अहंकार)।

द्वितीय भाव (धन भाव / धन, वाणी एवं कुल परंपरा)

• **मुख्य विषय:** नैतिक समृद्धि, विवेकपूर्ण वाणी, सुसंस्कृत विरासत।
• **सकारात्मक प्रभाव**: वित्तीय प्रचुरता और संपत्ति निर्माण के लिए उत्कृष्ट स्थिति। यह सत्यप्रिय, प्रेरक और प्रभावशाली वाणी, बैंकिंग, शिक्षण, कानून या सलाहकार की भूमिकाओं के माध्यम से आय तथा एक सम्मानित, सामंजस्यपूर्ण पारिवारिक कुल प्रदान करता है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** खान-पान की अत्यधिक अनियंत्रित आदतें, मिठाइयों का अत्यधिक सेवन या अंध आशावाद के कारण वित्तीय रूप से अत्यधिक जोखिम लेना।

तीसरा भाव (भातृ भाव / संचार, पहल और भाई-बहन)

• **मुख्य विषय**: दार्शनिक लेखन, सहायक मार्गदर्शन, नैतिक पहल।
• **सकारात्मक प्रभाव:** जातक को गहन साहित्यिक प्रतिभा, प्रकाशन, पत्रकारिता या आध्यात्मिक शिक्षा में सफलता और भाई-बहनों व साथियों के साथ सौहार्दपूर्ण एवं परस्पर सहायक संबंध प्रदान करता है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव**: प्रतिस्पर्धी व्यवसाय के लिए आवश्यक आक्रामक उत्साह को कम कर सकता है; सीधे व्यावहारिक कदम उठाने के बजाय केवल सलाह देने की प्रवृत्ति हो सकती है।

चतुर्थ भाव (सुख भाव / गृह, आंतरिक शांति और शिक्षा)

• **मुख्य विषय:** पारिवारिक शांति, विशाल संपत्तियां, आध्यात्मिक हृदय।
• **सकारात्मक प्रभाव:** कालपुरुष कुंडली के चतुर्थ भाव (कर्क राशि) में गुरु उच्च के होते हैं। यह स्थिति गहरी मानसिक शांति, विशाल घर, उत्तम वाहनों का स्वामित्व, अत्यधिक गुणवान माता और उच्च शैक्षणिक उपलब्धियां प्रदान करती है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** अत्यधिक आरामदायक जीवनशैली के कारण शारीरिक आलस्य; भावनात्मक लगाव के कारण घरेलू परिवेश या गृहनगर छोड़ने में कठिनाई।

5वां भाव (पुत्र भाव / बुद्धि, संतान और पूर्व जन्म के पुण्य)

• **मुख्य विषय:** परामर्श में निपुणता, संस्कारी संतान, दैवीय भाग्य (पूर्व पुण्य)।
• **सकारात्मक प्रभाव:** रणनीतिक निर्णय लेने, कूटनीति, निवेश और पवित्र धर्मग्रंथों के लिए असाधारण बुद्धि। कुलीन, सफल संतान और

शैक्षणिक या सलाहकार के करियर में उच्च सफलता प्रदान करता है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** शास्त्रीय 'कारको भावो नाशाय' का जोखिम (अपने स्वाभाविक भाव में कारक ग्रह की अत्यधिक ऊर्जा); पहली संतान को लेकर मामूली देरी या अत्यधिक अपेक्षाएं ला सकता है।

छठा भाव (शत्रु भाव / स्वास्थ्य, दैनिक कार्य और ऋण)

• **मुख्य विषय:** विवादों का शांतिपूर्ण समाधान, शिक्षण के माध्यम से सेवा, उपचार (हीलिंग)।
• **सकारात्मक प्रभाव:** निष्पक्ष मध्यस्थता और कूटनीति के माध्यम से विवादों और कानूनी अड़चनों को सुलझाता है। डॉक्टरों, चिकित्सकों (हीलर्स), श्रम वकीलों और समाज सुधारकों के लिए यह एक उत्कृष्ट स्थिति है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** यदि पीड़ित हो, तो यह छठे भाव की समस्याओं को बढ़ा सकता है, जो खान-पान/लिवर के असंतुलन, कोलेस्ट्रॉल की समस्याओं, पाचन के धीमे होने या अविश्वसनीय अधीनस्थों पर भरोसा करने के रूप में प्रकट हो सकता है।

7वां भाव (जाया भाव / विवाह, साझेदारी और व्यापार)

• **मुख्य विषय:** सदाचारी जीवनसाथी, नैतिक व्यापार, सामाजिक प्रतिष्ठा।
• **सकारात्मक प्रभाव:** बुद्धिमान, सहयोगी और आध्यात्मिक या बौद्धिक रूप से झुकाव रखने वाले जीवनसाथी को आकर्षित करता है। संयुक्त व्यावसायिक उद्यमों, कानून, परामर्श और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उत्कृष्ट सफलता प्रदान करता है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** एक समान रोमांटिक साथी के बजाय शिक्षक/उपदेशक की भूमिका निभाने की प्रवृत्ति, जिससे वैवाहिक जीवन में सूक्ष्म भावनात्मक दूरी आ सकती है।

8वां भाव (रंध्र भाव / दीर्घायु, गूढ़ ज्ञान और परिवर्तन)

• **मुख्य विषय:** दीर्घायु (आयुष), गूढ़ विद्या में निपुणता, संकटों से सुरक्षा।
• **सकारात्मक प्रभाव:** प्राकृतिक दीर्घायु और शांतिपूर्ण परिवर्तनों के लिए यह एक उत्कृष्ट स्थिति है। यह ज्योतिष, अनुसंधान, फोरेंसिक, तत्वमीमांसा (मेटाफिज़िक्स) में गहरा ज्ञान प्रदान करता है तथा पैतृक संपत्ति या वैवाहिक धन के माध्यम से अचानक लाभ दिलाता है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** पुरानी चयापचय (मेटाबॉलिक) या वजन से जुड़ी समस्याएं; औपचारिक विश्वविद्यालयी शिक्षा में अप्रत्याशित बाधाएं; दार्शनिक अलगाव की भावना।

9वां भाव (धर्म भाव / उच्च सत्य, गुरु और भाग्य)

• **मुख्य विषय**: सर्वोच्च आध्यात्मिक कृपा, धार्मिक नेतृत्व, भाग्य।
• **सकारात्मक प्रभाव**: गुरु अपने स्वाभाविक आनंद भाव में स्थित होते हैं। यह अद्भुत भाग्य, नैतिक जीवन के प्रति गहरी निष्ठा, आध्यात्मिक गुरुओं के लिए असाधारण सम्मान, सफल विदेश यात्राएं और उच्च सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करते हैं।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** कट्टर दार्शनिक दृष्टिकोण, पारंपरिक रीति-रिवाजों का अत्यधिक पालन या उन गुरुओं के साथ मतभेद जिनके विचार जातक के आदर्शों से भिन्न हों।

10वां भाव (कर्म भाव / करियर, सामाजिक प्रतिष्ठा एवं नेतृत्व)

• **मुख्य विषय:** नैतिक शासन, कार्यकारी परामर्श, सार्वजनिक सम्मान।
• **सकारात्मक प्रभाव:** न्यायपालिका, नागरिक प्रशासन, शिक्षा, कॉर्पोरेट परामर्श या वित्तीय नेतृत्व में उच्च पद। जातक को व्यापक रूप से एक नैतिक स्तंभ माना जाता है, जो मार्गदर्शन और बुद्धिमत्ता के माध्यम से टीमों का नेतृत्व करता है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** व्यावहारिक कॉर्पोरेट राजनीति में भाग लेने में अनिच्छा; भ्रष्ट वरिष्ठों के साथ मतभेद; करियर का विकास अत्यधिक तीव्र होने के बजाय धीमा और सिद्धांतों पर आधारित हो सकता है।

11वां भाव (लाभ भाव / प्राप्ति, नेटवर्क और दीर्घकालिक दृष्टिकोण)

• **मुख्य विषय:** प्रचुर धन संचय, प्रभावशाली मार्गदर्शक, पूर्ण होती इच्छाएं।
• **सकारात्मक प्रभाव:** उत्कृष्ट उपचय स्थिति। नैतिक माध्यमों से आय के अनेक और निरंतर स्रोत, परोपकारी संगठनों से जुड़ाव तथा उच्च पदस्थ, विद्वान मित्रों से सहयोग दिलाता है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** अत्यधिक आदर्शवादी सामाजिक अपेक्षाएं; उचित कानूनी सुरक्षा उपायों के बिना परिचितों को पूंजी उधार देने की प्रवृत्ति।

12वां भाव (व्यय भाव / मोक्ष, विदेश यात्रा और एकांत)

• **मुख्य विषय:** परम आध्यात्मिक मुक्ति (मोक्ष), परोपकारी व्यय, विदेश में शांति।
• **सकारात्मक प्रभाव:** ध्यान, आश्रम जीवन, निःस्वार्थ दान और विदेश में बसने के लिए उत्कृष्ट स्थिति। जातक महान, आध्यात्मिक या मानवीय कार्यों पर धन खर्च करता है और शांतिपूर्ण, सुखद नींद का आनंद लेता है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** अंध परोपकार के कारण धन की हानि; भौतिक करियर के लक्ष्यों से अलगाव की भावना; व्यावहारिक वित्तीय योजना की संभावित अनदेखी।

---

https://astroarpitanath.com/hindi/jupiter-in-12-houses-of-kundli/
ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।